Drishti IAS

करेंट अफेयर्स मध्य प्रदेश

अगस्त 2024

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

मध्य प्रदेश **3**

- मध्य प्रदेश में क्षमता निर्माण कार्यशाला 3
- क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये नई उड़ान शेड्यूल 3
- भोपाल गैस त्रासदी के विषैले अपशिष्ट का निपटान 4
- मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में शावक की मौत 4
- मध्य प्रदेश में 43 बाघों की मौत 6
- मध्य प्रदेश में स्वाइन फ्लू के मामले 6
- पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर राजस्थान की नई नीति 7
- कान्हा रिज़र्व में बाघ का हमला 7
- भोज आर्द्रभूमि 8
- मध्य प्रदेश में फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट 9
- उच्च न्यायालय ने लहसुन को सब्ज़ी की श्रेणी में रखा 10
- मासिक धर्म स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिये मध्य प्रदेश की पहल 11
- मध्य प्रदेश राज्य ने हिंदू विद्यार्थियों को मदरसों में नामांकन लेने से प्रतिबंधित किया 12
- मध्य प्रदेश में जापानी इंसेफेलाइटिस का प्रकोप 12
- मध्य प्रदेश में नया रामसर स्थल 13
- IMD द्वारा तीव्र वर्षा की चेतावनी 14
- मध्य प्रदेश में देवी-देवताओं से जुड़े स्थानों का विकास किया जाएगा 15
- कुनो राष्ट्रीय उद्यान में एक और चीते की मृत्यु 15
- मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास 16

दृष्टि The Vision

नोट :

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश में क्षमता निर्माण कार्यशाला

चर्चा में क्यों

हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार के **मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारियों (CISO)** के लिये **भोपाल में राज्य क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित** की गई।

मुख्य बिंदु

- यह कार्यक्रम **राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (NeGD), इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY)** द्वारा मध्य प्रदेश (MP) सरकार के गृह विभाग तथा **मध्य प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग** व **MP-CERT** के सहयोग से आयोजित किया गया था।
- इस कार्यशाला का उद्देश्य **जन जागरूकता बढ़ाना, क्षमताओं का निर्माण करना** तथा **साइबर अनुकूल इकोसिस्टम का सृजन करने के लिये कदम उठाने में सरकारी विभागों को सक्षम बनाना** था।
- यह **साइबर सुरक्षा के बारे में समग्र सूचना** और ज्ञान प्रदान करता है जिससे कि सरकारी विभाग अपनी **साइबर स्वास्थ्यकारिता, सुरक्षा तथा संरक्षा** की देखभाल कर सकें जिससे **डिजिटल इंडिया कार्यक्रम** को सुगमता मिलती है।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (NeGD)

- इसे **वर्ष 2009 में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत ई-गवर्नेंस परियोजनाओं के कार्यान्वयन** का समर्थन करने तथा केंद्रीय एवं राज्य मंत्रालयों/विभागों को तकनीकी एवं व्यवसायिक सहायता प्रदान करने के लिये स्थापित किया गया था।
- NeGD ने कई राष्ट्रीय सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किये हैं और उनका प्रबंधन कर रहा है, जैसे **डिजीलॉकर**, **उमंग**, रैपिड असेसमेंट सिस्टम, ओपनफोर्ज, API सेतु, पोषण ट्रैकर, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी, **राष्ट्रीय AI पोर्टल**, **माईस्कीम**, इंडिया स्टैक ग्लोबल, **मेरी पहचान** आदि।

क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये नई उड़ान शेड्यूल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मध्य प्रदेश सरकार ने क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये हवाई सेवा मार्गों का विस्तार किया और PM श्री पर्यटन हवाई सेवा** के लिये नई उड़ान शेड्यूल की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

- इस योजना **का उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना और हवाई संपर्क में सुधार करना है। इस योजना की शुरुआत 1 अगस्त, 2024 से होगी।**
  - यह सेवा अब **खजुराहो को भोपाल, ग्वालियर, रीवा और सिंगरौली से जोड़ने वाले क्लस्टर** मार्गों को शामिल करेगी।
  - **भोपाल और जबलपुर** से **उज्जैन** के लिये उड़ानें रविवार को होंगी, जबकि खजुराहो के लिये सेवाएँ बुधवार, गुरुवार एवं शनिवार को संचालित होंगी।
  - **राज्य को पाँच क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है-** ग्वालियर और चंबल, बघेलखंड क्षेत्र, बुंदेलखंड क्षेत्र, महाकौशल क्षेत्र, मालवा-निमाड़ क्षेत्र एवं नर्मदापुरम।
- मध्य प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये राज्य सरकार **भोपाल** में महत्त्वाकांक्षी **39वें IATO (भारतीय टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन) वार्षिक सम्मेलन** की मेज़बानी करने जा रही है।
- इस आयोजन में देश भर से टूर ऑपरेटरों, होटल व्यावसायियों और अन्य प्रमुख हितधारकों सहित **1000 से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है, जिससे मध्य प्रदेश में घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा मिलने की संभावना है।**
  PM श्री पर्यटन हवाई सेवा
  - PM श्री पर्यटन हवाई सेवा का **उद्घाटन 13 जून, 2024** को किया गया।

नोट :

- यह एक **अंतर-राज्यीय हवाई सेवा है जो मध्य प्रदेश के धार्मिक और पर्यटन स्थलों को जोड़ती है,** जिसका उद्देश्य घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिये कनेक्टिविटी में सुधार करना है।

भोपाल गैस त्रासदी के विषैले अपशिष्ट का निपटान

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मध्य प्रदेश सरकार** ने 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के लगभग 40 वर्ष बाद, यूनियन कार्बाइड संयंत्र से निकले **337 मीट्रिक टन (MT) विषैले अपशिष्ट** को जलाने का निर्णय लिया।

मुख्य बिंदु

- **केंद्र सरकार ने अपशिष्ट के निपटान के लिये 126 करोड़ रुपए** निर्धारित किये हैं।
  - **इंदौर के पीथमपुर स्थित उपचार भंडारण निपटान सुविधा (TSDF) के भस्मक में निपटान प्रक्रिया 180 दिनों में पूरी होने की उम्मीद है।**
- निपटान प्रक्रिया में दूषित स्थल से अपशिष्ट को निपटान स्थल तक ले जाना, उसे अभिकर्मकों के साथ मिश्रित करना और फिर जला देना शामिल है।
  - मध्य प्रदेश भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग (BGTRR) निपटान की देख-रेख करेगा।
- **चुनौतियाँ एवं चिंताएँ:**
  - **पीथमपुर TSDF में अपशिष्ट को जलाने** की योजना को **निवासियों के विरोध का सामना करना पड़ा,** जिसके कारण वर्ष 2015 में आगे की योजना को स्थगित कर दिया गया।
  - राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) की 2021 की रिपोर्ट में फैक्ट्री के उत्तर में स्थित सौर वाष्पीकरण तालाबों (SEP) के सुधार का निर्देश दिया गया था, जो **चल रहे पर्यावरणीय प्रदूषण का संकेत देता है।**
    - सौर वाष्पीकरण तालाबों (SEP) का उपयोग **मुख्य रूप से** नाइट्रेट **की उच्च सांद्रता से संदूषित निम्न-स्तरीय रेडियोधर्मी अपशिष्टों को संग्रहीत करने के लिये किया जाता था।**
  - साइट के आस-पास के बोरवेल के पानी में भारी धातुओं और अन्य संदूषकों के अंश पाए गए हैं, जो स्वीकार्य सीमा से अधिक हैं।
  - गैस त्रासदी के पीड़ितों के पुनर्वास के लिये कार्य कर रहे सामाजिक समूहों ने दहन प्रक्रिया की सुरक्षा के बारे में दावों का खंडन किया है तथा परीक्षण के दौरान डाइऑक्सिन और फ्यूरान **के उच्च स्तर** का पता चलने का हवाला दिया है।

भोपाल गैस त्रासदी 1984

- **भोपाल गैस त्रासदी** इतिहास की **सबसे खराब औद्योगिक दुर्घटनाओं** में से एक थी, **जो 2-3 दिसंबर, 1984 की रात को भोपाल, मध्य प्रदेश में यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (UCIL) कीटनाशक संयंत्र में हुई थी।**
- इसने लोगों और जानवरों को अत्यधिक विषैली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट (MIC) के संपर्क में ला दिया, जिससे तत्काल तथा दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभाव एवं मौतें हुईं।

मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में शावक की मौत

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में **अफ्रीकी चीता गामिनी** के **पाँच महीने के बच्चे** की मौत हो गई।

- **कुनो राष्ट्रीय उद्यान** में अब **13 वयस्क चीते** और **12 शावक** शेष हैं।

मुख्य बिंदु:

- पाँच महीने के चीते के बच्चे की अचानक तबीयत खराब हो गई थी और रीढ़ की हड्डी टूटने के कारण वह अपने पिछले हिस्से को घसीटता हुआ पाया गया था, उसकी मौत हो गई है; **मौत के कारण की पुष्टि पोस्टमार्टम के बाद होगी।**
- **कुनो राष्ट्रीय उद्यान:**
  - **मध्य प्रदेश** के **श्योपुर ज़िले** में स्थित **कुनो राष्ट्रीय उद्यान नामीबिया** और **दक्षिण अफ्रीका** से स्थानांतरित किये गए विभिन्न चीतों का आवास है।
  - इसका नाम **कुनो नदी** के नाम पर रखा गया है, जो चंबल नदी की एक मुख्य सहायक नदी है, **जो इस क्षेत्र से होकर प्रवाहित होती है।**

चीता (Cheetah)

सामान्य नाम: एशियाई चीता

वैज्ञानिक नाम: *एसिनोनिक्स जुबेटस (Acinonyx jubatus)*

- *एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस* (एशियाई चीता)
- *एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस* (अफ्रीकी चीता)

विशेषताएँ:

- विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:

- **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की **त्वचा; एशियाई चीते से मोटी**
  - ***चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता***
  - *पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं*
  - *IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:* ***सुभेद्य (Vulnerable)***
- **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
  - ***हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल***
  - ***केवल ईरान में पाए जाते हैं;*** *देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल* ***12*** *चीते शेष हैं।*
- **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को **आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त** घोषित किया गया
  - *IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:* ***घोर संकटग्रस्त (Critically Endangered)***

एशियाई चीता

अफ्रीकी चीता

भारत में चीतों का पुनर्वास:

- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC** द्वारा **"भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना"** जारी की गई थी। (जनवरी **2022**)
  - *इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष* ***2009*** *में प्रस्तावित की गई थी।*
- सितंबर **2022** में **नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।**
  - *इन आठ चीतों को* ***मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान*** *में स्थानांतरित किया जाएगा।*
- नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण **विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना** है।

नोट :

मध्य प्रदेश में 43 बाघों की मौत

चर्चा में क्यों

वर्ष 2021 से वर्ष 2023 के बीच 43 बाघों की मौत की जाँच की गई, जिसमें बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व में 34 और शहडोल वन सर्किल में 9 बाघों की मौत हुई।

मुख्य बिंदु:

- **विशेष जाँच दल (Special Investigation Team- SIT) की रिपोर्ट:** स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स के प्रभारी की अध्यक्षता में गठित SIT ने 15 जुलाई को कार्यवाहक प्रधान मुख्य वन संरक्षक (Principal Chief Conservator of Forests- PCCF) और प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख (Principal Chief Conservator of Forest & Head of the Forest Force- PCCF-HoFF) को अपनी रिपोर्ट सौंप दी।
- **जाँच का अभाव:** रिपोर्ट में बाघों की मौत के कम-से-कम 10 मामलों में अपर्याप्त जाँच, उच्च अधिकारियों और वन रेंज अधिकारियों की उदासीनता तथा 34 में से 10 मामलों में शरीर के अंगों के गायब होने की बात कही गई है।
- **SIT का गठन:** राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन के आदेश पर बाघों की बड़ी संख्या में हुई मौतों की जाँच के लिये SIT का गठन किया गया था।

बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व (BTR)

- यह मध्य प्रदेश के उमरिया ज़िले में स्थित है और विंध्य पहाड़ियों पर फैला हुआ है।
- वर्ष 1968 में इसे राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अधिसूचित किया गया तथा वर्ष 1993 में पड़ोसी पनपथा अभयारण्य में प्रोजेक्ट टाइगर नेटवर्क के तहत इसे बाघ अभयारण्य घोषित किया गया।
- यह रॉयल बंगाल टाइगर्स के लिये जाना जाता है। बांधवगढ़ में बाघों की आबादी का घनत्व भारत के साथ-साथ विश्व में भी सबसे ज़्यादा है।
    - ये धाराएँ फिर सोन नदी (गंगा नदी की एक महत्त्वपूर्ण दक्षिणी सहायक नदी) में विलीन हो जाती हैं।
- महत्त्वपूर्ण शिकार प्रजातियों में चीतल, सांभर, बार्किंग डियर, नीलगाय, चिंकारा, जंगली सुअर, चौसिंघा, लंगूर और रीसस मकाक शामिल हैं।
    - बाघ, तेंदुआ, जंगली कुत्ता, भेड़िया और सियार जैसे प्रमुख शिकारी इन पर निर्भर हैं।

मध्य प्रदेश में स्वाइन फ्लू के मामले

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश के जबलपुर ज़िले में स्वाइन फ्लू के ग्यारह मामले पाए गए हैं।

मुख्य बिंदु

- स्वाइन फ्लू से संक्रमित पाए गए लोगों में सर्दी, खाँसी और बुखार की शिकायत थी। वे ज़िले के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं
- बीमारी को फैलने से रोकने के लिये स्वास्थ्य विभाग की टीमें अलग-अलग इलाकों में जाँच कर रही हैं।

स्वाइन फ्लू

- यह स्वाइन फ्लू वायरस, H1N1 के कारण होता है।

- यह श्वसन तंत्र का संक्रमण है, जिसमें खाँसी, नाक से स्राव, बुखार, भूख न लगना, थकान और सिरदर्द जैसे फ्लू के सामान्य लक्षण दिखाई देते हैं।
- इसे स्वाइन फ्लू इसलिये कहा जाता है क्योंकि पहले यह उन लोगों में पाया जाता था जो सूअरों के आस-पास रहते थे।
- यह वायरस कम दूरी के हवाई संक्रमण से फैलता है, खासकर भीड़-भाड़ वाली बंद जगहों में। हाथ का संक्रमण और सीधा संपर्क संक्रमण के अन्य संभावित स्रोत हैं।

पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर राजस्थान की नई नीति

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, राजस्थान सरकार नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर नई नीति लाने जा रही है।

मुख्य बिंदु

- मुख्यमंत्री के अनुसार, नवीकरणीय स्रोतों को मज़बूत करने के लिये उठाए जा रहे कदमों से राज्य जल्द ही ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाएगा।
- सौर और पवन ऊर्जा पर निर्भर बिजली ग्रिडों को आपूर्ति के लिये 7,100 मेगावाट बिजली की क्षमता वाली इन परियोजनाओं की स्थापना के लिये राज्य में आठ संभावित स्थानों की पहचान की गई है।
  - पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर कार्य राज्य की पवन और हाइब्रिड ऊर्जा नीति 2019 तथा नवीकरणीय ऊर्जा नीति 2023 में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार किया गया है।
  - राज्य को 1,800 मेगावाट क्षमता की अपनी पहली स्वतंत्र पंप भंडारण परियोजना शुरू करने की मंज़ूरी मिल गई है, जो कुनो नदी बेसिन के भीतर बारां ज़िले के शाहबाद क्षेत्र में स्थापित की जाएगी।

कुनो नदी

- यह चंबल नदी की मुख्य सहायक नदियों में से एक है।
- यह दक्षिण से उत्तर की ओर कुनो राष्ट्रीय उद्यान से होकर बहती है तथा अन्य छोटी नदियों और सहायक नदियों को मध्य प्रदेश-राजस्थान सीमा पर मुरैना में चंबल नदी में बहा देती है।
- यह कुनो राष्ट्रीय उद्यान के विविध वनस्पतियों और जीवों के लिये पानी का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत है।
- यह 180 किलोमीटर लंबी है और मध्य प्रदेश में विंध्य पर्वत शृंखला से निकलती है

कान्हा रिज़र्व में बाघ का हमला

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश के बालाघाट ज़िले के कान्हा टाइगर रिज़र्व (KTR) में एक महिला पर बाघ ने जानलेवा हमला कर दिया।

मुख्य बिंदु

- **कान्हा टाइगर रिज़र्व:**
  - यह **मध्य प्रदेश के दो ज़िलों- मंडला और बालाघाट** में 940 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में विस्तृत है।
  - वर्तमान कान्हा क्षेत्र को **दो अभयारण्यों, हॉलन और बंजर में विभाजित किया गया था।**
  - **कान्हा राष्ट्रीय उद्यान वर्ष 1955** में बनाया गया था और **वर्ष 1973** में इसे **कान्हा टाइगर रिज़र्व** बनाया गया था।
    - कान्हा राष्ट्रीय उद्यान **मध्य भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान** है।

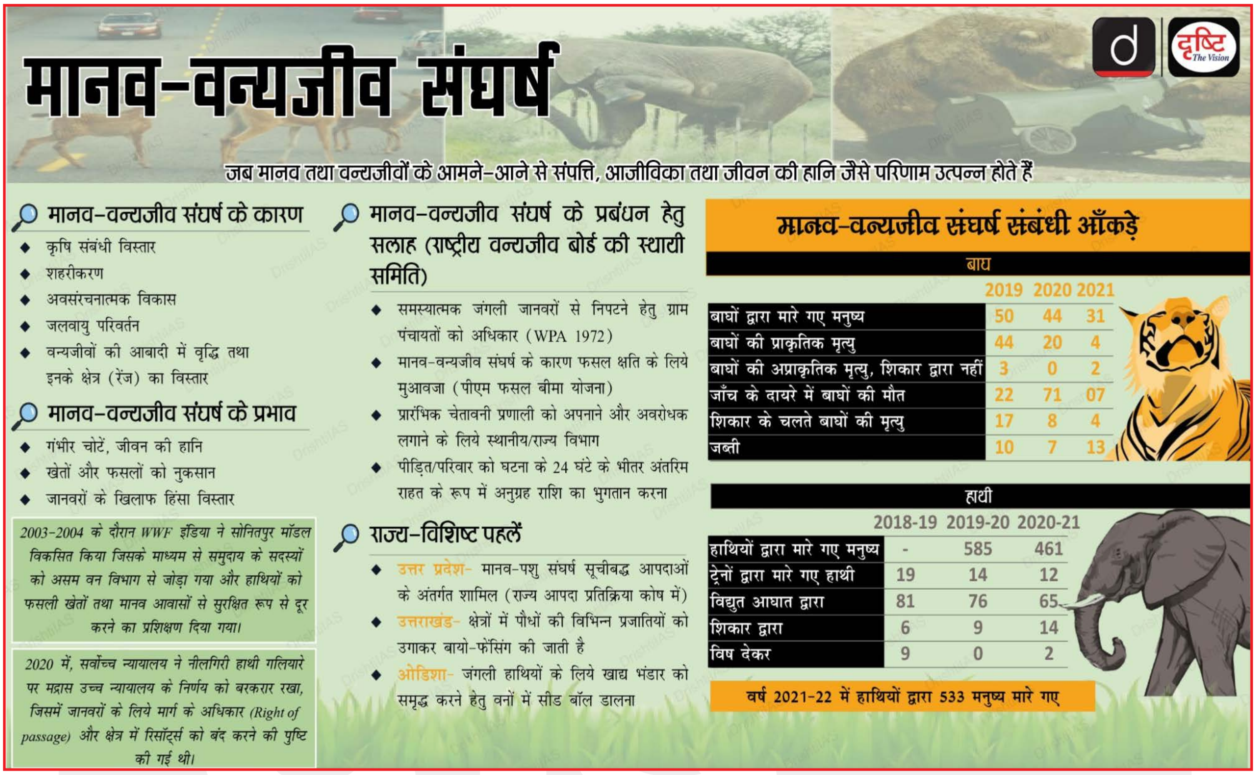

भोज आर्द्रभूमि

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में केंद्र सरकार ने इस बात से इनकार किया है कि भोपाल में **रामसर स्थल**, **भोज आर्द्रभूमि** को **रामसर कन्वेंशन सूची** से हटाए जाने का खतरा है।

प्रमुख बिंदु:

- **सूत्रों के अनुसार, भोज आर्द्रभूमि जलग्रहण क्षेत्र से होकर प्रस्तावित सड़क के निर्माण के कारण एक स्थानीय कार्यकर्त्ता ने रामसर सम्मेलन सचिवालय में आर्द्रभूमि के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई।**
- **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (Ministry of Environment, Forest & Climate Change-MoEF&CC)** मध्य प्रदेश सहित देश में आर्द्रभूमि के संरक्षण और प्रबंधन के लिये **जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिये राष्ट्रीय योजना (National Plan for Conservation of Aquatic Ecosystems- NPCA)** को क्रियान्वित कर रहा है।
- इस योजना में अपशिष्ट जल उपचार, **तटरेखा संरक्षण, यथास्थान सफाई, वर्षा जल प्रबंधन,** जैव उपचार, **जलग्रहण क्षेत्र उपचार, झील सौंदर्यीकरण, सर्वेक्षण एवं सीमांकन, मत्स्य विकास, खरपतवार नियंत्रण, जैवविविधता संरक्षण, शिक्षा एवं जागरूकता तथा सामुदायिक भागीदारी** जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं।

भोज आर्द्रभूमि

- भोज आर्द्रभूमि, जिसे **भोपाल झील** के नाम से भी जाना जाता है, **एक विनिर्दिष्ट रामसर स्थल है** और इसलिये यह अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमि है (रामसर कन्वेंशन वर्ष 1971)।
- इसमें दो मानव निर्मित जलाशय शामिल हैं -

- "**ऊपरी झील**" - 11वीं शताब्दी में कोलांस नदी पर मृदा के बाँध के निर्माण से निर्मित। "**निचली झील**" - 200 वर्ष पूर्व निर्मित, मुख्यत: ऊपरी झील से रिसाव के कारण। यह भोपाल शहर से घिरा हुआ है।

जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिये राष्ट्रीय योजना (National Plan for Conservation of Aquatic Ecosystems- NPCA)

- NPCA **आर्द्रभूमि और झीलों** दोनों के लिये एक एकल संरक्षण कार्यक्रम है।
- यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसका क्रियान्वयन वर्तमान में **केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय** द्वारा किया जा रहा है।
  - इसे वर्ष 2015 में राष्ट्रीय झील संरक्षण योजना और राष्ट्रीय आर्द्रभूमि संरक्षण कार्यक्रम को मिलाकर तैयार किया गया था।
- NPCA का उद्देश्य बेहतर तालमेल को बढ़ावा देना तथा प्रशासनिक कार्यों में अतिव्यापन से बचना है।

मध्य प्रदेश में फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, मध्य और उत्तर भारत का **सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट**, जो 90 मेगावाट ऊर्जा उत्पन्न करता है, **मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर** में प्रारंभ हो गया है।

मुख्य बिंदु

- इस परियोजना का क्रियान्वयन SJVN **ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (SGEL)** द्वारा किया जा रहा है। यह भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक मिनी रत्न श्रेणी 'A' केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (CPSU) है।
- **ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट:**
  - मध्य प्रदेश के खंडवा में **नर्मदा नदी** पर **ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर पार्क** में स्थित है।
  - इस परियोजना का उद्देश्य **कार्बन उत्सर्जन** में 2.3 लाख टन CO_2 की उल्लेखनीय कमी लाना है, जो वर्ष 2070 तक **शुद्ध-शून्य उत्सर्जन** प्राप्त करने के भारत के लक्ष्य का समर्थन करता है।
  - यह **जल वाष्पीकरण** को कम करके जल संरक्षण में भी सहायता करेगा।

नर्मदा नदी

- **परिचय:**
  - नर्मदा नदी (**जिसे रेवा के नाम से भी जाना जाता है**) उत्तर और दक्षिण भारत के बीच एक पारंपरिक सीमा के रूप में कार्य करती है।
  - यह मैकाल पर्वत की **अमरकंटक चोटी** से अपने उद्गम स्थल से 1,312 किमी. पश्चिम में है। यह **खंभात की खाड़ी** में बहती है।
  - यह **महाराष्ट्र और गुजरात** राज्यों के कुछ क्षेत्रों के अलावा मध्य प्रदेश के एक बड़े क्षेत्र में बहती है।
  - यह प्रायद्वीपीय क्षेत्र की पश्चिम की ओर बहने वाली नदी है जो उत्तर में **विंध्य पर्वतमाला** और दक्षिण में **सतपुड़ा पर्वतमाला** के बीच एक दरार घाटी से होकर बहती है।
- **सहायक नदियाँ:**
  - दाहिनी ओर से प्रमुख सहायक नदियाँ हैं- **हिरन, तेंदोरी, बरना, कोलार, मान, उरी, हथनी और ओरसांग।**
  - प्रमुख बाईं सहायक नदियाँ हैं- **बर्नर, बंजार, शेर, शक्कर, दूधी, तवा, गंजाल, छोटा तवा, कुंडी, गोई और कर्जन।**
- **बाँध:**
  - नदी पर बने प्रमुख बाँध्ों में **ओंकारेश्वर** और **महेश्वर बाँध** शामिल हैं।

उच्च न्यायालय ने लहसुन को सब्ज़ी की श्रेणी में रखा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय** की इंदौर पीठ ने **लहसुन को आधिकारिक तौर पर सब्ज़ी घोषित** कर दिया है।

मुख्य बिंदु

- इस निर्णय से **किसानों को लाभ मिलने की संभावना है क्योंकि इससे वे एजेंटों को कमीशन दिये बिना सीधे बाज़ार में लहसुन बेच** सकेंगे।
- वर्ष 2015 में **मध्य प्रदेश के एक किसान संगठन ने मंडी बोर्ड से लहसुन को सब्ज़ी के रूप में वर्गीकृत करने का आग्रह किया था।**
- हालाँकि कृषि विभाग ने जल्द ही इस निर्णय को पलट दिया और लहसुन को **कृषि उपज मंडी समिति अधिनियम, 1972** के तहत मसाले के रूप में फिर से वर्गीकृत कर दिया।
- इसके कारण वर्ष **2016 में आलू, प्याज़ और लहसुन कमीशन एजेंट एसोसिएशन** ने कानूनी चुनौती दी।
- **वर्ष्ा 2017** में एकल न्यायाधीश ने एसोसिएशन के पक्ष में निर्णय सुनाया, जिससे लहसुन को सब्ज़ी के रूप में बेचने की अनुमति मिल गई।

लहसुन

- वनस्पति विज्ञान की दृष्टि से **लहसुन** (*Allium sativum*) को सब्ज़ी माना जाता है, क्योंकि इसमें एक गाँठ/कंद, लंबा तना और लंबी पत्तियाँ होती हैं।
  - **लहसुन और प्याज़ की विशिष्ट गंध सल्फर युक्त रसायनों की उपस्थिति के कारण होती है।**
- **6-8 की pH रेंज** की अच्छी जल निकासी वाली, उपजाऊ दोमट मृदा में लहसुन की अच्छी पैदावार होती है। कार्बनिक पदार्थों से **समृद्ध मृदा, उनकी नमी और पोषक तत्त्वों की धारण क्षमता** के अतिरिक्त क्रस्टिंग तथा कॉम्पैक्शन के न्यूनतम ज़ोखिम के कारण वांछनीय होती है। **कठोर मृदा के कारण गाँठ/कंद विकृत हो सकते हैं**, जबकि खराब जल निकासी वाली मृदा के कारण गाँठ का रंग फीका पड़ सकता है।
- लहसुन समुद्र तल से **1200-2000 मीटर की ऊँचाई पर उगता** है। वृद्धि के दौरान ठंडी, नम जलवायु और परिपक्वता के दौरान गर्म, शुष्क मौसम की आवश्यकता होती है

- **उत्पादन:** चीन में आपूर्ति शृंखला के मुद्दों के कारण भारत वर्ष 2023 में रिकॉर्ड उच्च निर्यात के साथ **विश्व का दूसरा सबसे बड़ा लहसुन निर्यातक** बन गया है।
  - भारतीय लहसुन फलेक्स **पश्चिम एशियाई देशों** में अधिक लोकप्रिय हो गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, मलेशिया, ब्राज़ील, जर्मनी और यूनाइटेड किंगडम भारत के मुख्य लहसुन निर्यात बाज़ार हैं।
- **भौगोलिक संकेत टैग:**
- **मध्य प्रदेश** का GI-टैग वाला लहसुन **रियावान लहसुन**, अन्य किस्मों की तुलना में अपनी **उच्च उपज, तीखे और प्रबल स्वाद तथा अधिक तेल सामग्री** के लिये प्रसिद्ध है।
- **कोडईकनाल मलाई पूंडू (पहाड़ी लहसुन)** तमिलनाडु का एक GI-टैग वाला लहसुन है, जो अपने **एंटीऑक्सीडेंट** और रोगाणुरोधी क्षमता के कारण औषधीय तथा संरक्षक गुणों के लिये जाना जाता है, जो कि **लहसुन की किस्मों की तुलना में ऑर्गेनोसल्फर यौगिकों, फिनोल एवं फ्लेवोनोइड्स की उच्च मात्रा की उपस्थिति के कारण है।**
- **केरल** का GI-टैग वाला लहसुन **कंथल्लूर वट्टावडा वेलुथुली** अपनी तीखी खुशबू और स्वाद के लिये मशहूर है। कंथल्लूर और वट्टावडा के ऊँचे इलाकों में उगाया जाने वाला यह **छोटा-सा लहसुन अपने औषधीय गुणों एवं पाक-कला में इस्तेमाल के लिये मशहूर है।**

मासिक धर्म स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिये मध्य प्रदेश की पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, **संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (United Nations International Children's Emergency Fund- UNICEF)** की भारत इकाई ने राज्य में किशोरों के बीच **मासिक धर्म स्वास्थ्य** को बढ़ावा देने के लिये **मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री की पहल की प्रशंसा** की।

प्रमुख बिंदु:

- एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने **स्वच्छता एवं सफाई के लिये 'समग्र शिक्षा' कार्यक्रम** के तहत **19 लाख विद्यार्थीओं के खातों में 57.18 करोड़ रुपए की सामूहिक राशि** हस्तांतरित की।
- स्वच्छता एवं स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत **कक्षा 7 से 12 तक की विद्यार्थीओं को सैनिटरी नैपकिन** के लिये धनराशि हस्तांतरित की गई है।
- स्कूल और कॉलेज की लड़कियों को भी **स्वच्छता के महत्व और इसके उपायों के बारे** में शिक्षित किया जा रहा है।

समग्र शिक्षा योजना

- इसे **वर्ष 2018 में शिक्षा मंत्रालय द्वारा लॉन्च** किया गया था।
- यह **स्कूली शिक्षा के लिये एक एकीकृत योजना** है, जो **प्री-स्कूल से लेकर कक्षा 12 तक** के संपूर्ण दायरे को कवर करती है।
- इसका उद्देश्य समावेशी, समतापूर्ण और किफायती स्कूली शिक्षा प्रदान करना है।
- इसमें **सर्व शिक्षा अभियान (SSA), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) और शिक्षक शिक्षा (TE)** की तीन योजनाओं को शामिल किया गया है।
- It is being implemented as a **centrally sponsored scheme**
  - इसमें केन्द्र और अधिकांश राज्यों के बीच वित्तपोषण का अनुपात 60:40 है।

संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (United Nations International Children's Emergency Fund- UNICEF)

- UNICEF की **स्थापना वर्ष 1946 में** द्वितीय विश्व युद्ध से प्रभावित बच्चों की मदद के लिये **संयुक्त राष्ट्र राहत पुनर्वास प्रशासन** द्वारा **अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन कोष (ICEF)** के रूप में की गई थी।

नोट :

- **वर्ष 1953 में UNICEF संयुक्त राष्ट्र का स्थायी भाग** बन गया।
- **संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इसे बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा की वकालत करने**, उनकी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में मदद करने तथा उनकी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिये उनके अवसरों का विस्तार करने का अधिदेश दिया गया है।
- UNICEF **बाल अधिकार कन्वेंशन, 1989** द्वारा निर्देशित है।
  - यह बच्चों के अधिकारों को **स्थायी नैतिक सिद्धांतों और बच्चों के प्रति व्यवहार** के अंतर्राष्ट्रीय मानकों के रूप में स्थापित करने का प्रयास करता है।
- **वर्ष 1965 में "राष्ट्रों के बीच भाईचारे को बढ़ावा देने" के लिये शांति के लिये नोबेल पुरस्कार से सम्मानित** किया गया।
- **मुख्यालय:** न्यूयॉर्क शहर

मध्य प्रदेश राज्य ने हिंदू विद्यार्थियों को मदरसों में नामांकन लेने से प्रतिबंधित किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मध्य प्रदेश** सरकार ने **एक आदेश जारी कर** राज्य मदरसा बोर्ड द्वारा विनियमित या सरकारी सहायता प्राप्त **मदरसों में हिंदू विद्यार्थियों के नामांकन पर रोक** लगा दी है

प्रमुख बिंदु:

- **राज्य के मदरसे कथित तौर पर सरकारी सहायता प्राप्त करने के लिये हिंदू विद्यार्थियों के फर्जी नामांकन कर रहे थे,** जिसके कारण यह निर्णय लिया गया।
  - जाँच में पाया गया कि **हज़ारों हिंदू विद्यार्थियों का मदरसों में नामांकन** किया गया है, **जो केवल कागज़ों पर चल रहे थे।**
- प्राधिकारियों के अनुसार, यदि विद्यार्थी नाबालिग हैं तो **मदरसे उन्हें अथवा उनके माता-पिता की लिखित सहमति के बिना धार्मिक गतिविधियों या धार्मिक अध्ययन में भाग लेने के लिये बाध्य नहीं कर सकते।**
  - मदरसा, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी संस्थानों सहित सभी संस्थानों को **नई शिक्षा नीति 2020** के प्रावधानों का पालन करना होगा।

नई शिक्षा नीति (New Education Policy- NEP) 2020

- **NEP 2020** का उद्देश्य भारत की उभरती विकास आवश्यकताओं से निपटना है।
- इसमें **शिक्षा प्रणाली में व्यापक बदलाव,** इसके **नियमन और प्रबंधन** सहित, की मांग की गई है, ताकि एक आधुनिक प्रणाली स्थापित की जा सके, जो **भारत की सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों** का सम्मान करते हुए **सतत् विकास लक्ष्य 4 (SDG 4)** सहित 21वीं सदी के शैक्षिक लक्ष्यों के अनुरूप हो।
- यह 34 वर्ष पुरानी **राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986, जिसे 1992 में संशोधित** किया गया था (NPE 1986/92) का स्थान लेती है।

मध्य प्रदेश में जापानी इंसेफेलाइटिस का प्रकोप

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) के अनुसार, वर्ष 2019 से मध्य प्रदेश में **जापानी इंसेफेलाइटिस (JE)** संक्रमण के बाद आठ लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

प्रमुख बिंदु

- मध्य प्रदेश में जापानी इंसेफेलाइटिस के मामलों में वृद्धि के कारण स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है, क्योंकि इससे **जन-स्वास्थ्य को सीधा खतरा** हो रहा है।
  - पहले वर्ष 2024 में **मध्य प्रदेश के 29 ज़िलों** में जापानी इंसेफेलाइटिस की पहचान की गई थी।

नोट :

जापानी इंसेफेलाइटिस

- **परिचय:**
  - **जापानी इंसेफेलाइटिस (JE)** एक **वायरल संक्रमण** है जो मस्तिष्क में जलन पैदा कर सकता है।
    - यह फ्लेविवायरस के कारण होने वाली एक बीमारी है, जो डेंगू, पीत ज्वर **और** वेस्ट नाइल वायरस के **समान जीनस से संबंधित** है।
  - जापानी इंसेफेलाइटिस वायरस (JEV) भी भारत में एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (AES) का एक प्रमुख कारण है।
- **संचरण:**
  - यह रोग **क्यूलेक्स प्रजाति** के **संक्रमित मच्छरों** के काटने से मनुष्यों में फैलता है।
  - ये मच्छर मुख्य रूप से **धान के खेतों** और **जलीय वनस्पतियों** से भरपूर बड़े जल निकायों में प्रजनन करते हैं।
- **उपचार:**
  - जापानी इंसेफेलाइटिस के **रोगियों के लिये कोई एंटीवायरल उपचार उपलब्ध नहीं** है
    - मौजूद उपचार लक्षणों से छुटकारा पाने और रोगी को स्थिरता प्रदान करने में सहायक है।
- **निवारण:**
  - इस बीमारी को रोकने के लिये **सुरक्षित और प्रभावी जापानी इंसेफेलाइटिस (JE) टीके** उपलब्ध हैं।
  - **JE टीकाकरण** भारत सरकार के **सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम** के तहत भी शामिल है।

मध्य प्रदेश में नया रामसर स्थल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्र ने **मध्य प्रदेश** में तवा जलाशय को नया रामसर स्थल घोषित किया है।

मुख्य बिंदु

- **तवा जलाशय:**
  - यह **इटारसी शहर** के निकट **तवा और देनवा नदियों** के संगम पर स्थित है, इसे मूलत: सिंचाई के लिये बनाया गया था तथा अब यह बिजली उत्पादन एवं जलीय कृषि के लिये भी उपयोगी है।
  - यह जलाशय सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व के अंतर्गत आता है, जो सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान और **बोरी वन्यजीव अभयारण्य** की सीमा पर स्थित है।
  - **मलानी, सोनभद्र और नागद्वारी नदियाँ** तवा जलाशय की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।
  - **तवा नदी,** नर्मदा नदी की बायीं तट पर स्थित एक सहायक नदी है, जो **छिंदवाड़ा ज़िले के** महादेव पहाड़ियों से निकलती है, बैतूल ज़िले से होकर बहती है और नर्मदापुरम ज़िले में नर्मदा नदी से मिलती है।
    - **यह नर्मदा नदी की सबसे लंबी सहायक नदी है।**
  - इस जलाशय में चित्तीदार हिरण और चित्रित सारस पाए जाते हैं।

रामसर अभिसमय (कन्वेंशन)

- रामसर अभिसमय (कन्वेंशन) एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है जिस पर वर्ष 1971 में ईरान के रामसर में UNESCO के तत्वावधान में हस्ताक्षर किये गये थे, जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों का संरक्षण करना है।
  - भारत में यह अधिनियम **1 फरवरी, 1982 को लागू हुआ,** जिसके तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल घोषित किया गया।
- मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के उन **आर्द्रभूमि स्थलों** का रजिस्टर है, जहाँ तकनीकी विकास, प्रदूषण या अन्य मानवीय हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप **पारिस्थितिक चरित्र में परिवर्तन हुए हैं, हो रहे हैं** या **होने की संभावना है।**
- इसे **रामसर सूची** के भाग के रूप में रखा गया है।

नोट :

रामसर अभिसमय (RAMSAR CONVENTION)

Drishti IAS

परिचयः

- इसे आर्द्रभूमियों पर अभिसमय के रूप में भी जाना जाता है।
- यह एक अंतर-सरकारी संधि है जिसे वर्ष 1971 में रामसर, ईरान में अपनाया गया।
- वर्ष 1975 में इसे लागू किया गया।
- ऐसी आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल घोषित किया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्त्व रखती हों।
- **विश्व का सबसे बड़ा रामसर स्थलः** पैंटानल, दक्षिण अमेरिका।

मोंट्रेक्स रिकॉर्डः

- वर्ष 1990 में मोंट्रेक्स (स्विटजरलैंड) में इसे अपनाया गया।
- यह उन रामसर स्थलों की पहचान करता है जिनके संरक्षण हेतु राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकता के साथ ध्यान देने की आवश्यकता है।

आर्द्रभूमियाँः

- आर्द्रभूमि एक ऐसा स्थान है जहाँ भूमि मौसमी अथवा स्थायी रूप से जल (खारा या मीठा/ताजा अथवा इन दोनों के बीच की स्थिति) से ढकी होती है।
- यह नदियों, दलदल, मैंग्रोव, कीचड़ युक्त भूमि, तालाबों, जलमग्न स्थान, बिलबोंग (नदी की वह शाखा जो आगे चलकर समाप्त हो गई हो), लैगून, झीलों और बाढ़ के मैदानों सहित विभिन्न रूपों में हो सकती है।
- **विश्व आर्द्रभूमि दिवसः** 2 फरवरी

भारत और रामसर अभिसमयः

- भारत में रामसर अभिसमय वर्ष 1982 में लागू हुआ।
- **रामसर स्थलों की कुल संख्याः** 75
- चिल्का झील (ओडिशा), केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान), हरिके झील (पंजाब), लोकटक झील (मणिपुर), वुलर झील (जम्मू और कश्मीर) आदि।
- **भारत में संबंधित फ्रेमवर्क**
  - आर्द्रभूमियों के संरक्षण तथा प्रबंधन हेतु पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के तहत 'आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) अधिनियम, 2017' को अधिसूचित किया है।
  - ये नियम आर्द्रभूमियों के प्रबंधन को विकेंद्रीकृत करते हैं तथा राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण या केंद्रशासित प्रदेश आर्द्रभूमि प्राधिकरण के गठन का प्रावधान करते हैं।

प्रमुख तथ्य

- **भारत में सबसे बड़ा रामसर स्थलः** सुंदरबन, पश्चिम बंगाल
- **भारत में सबसे छोटा रामसर स्थलः** वेम्बन्नूर आर्द्रभूमि कॉम्प्लेक्स, तमिलनाडु
- **सर्वाधिक रामसर स्थल वाला राज्यः** तमिलनाडु (14)
- **मोंट्रेक्स रिकॉर्ड में शामिल आर्द्रभूमियाँः**
  - केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
  - लोकटक झील, मणिपुर

IMD द्वारा तीव्र वर्षा की चेतावनी

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **भारतीय मौसम विभाग** ने **मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, गोवा** और **महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में भारी से अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी दी है।**

मुख्य बिंदु

- उन्होंने मछुआरों को **अरब सागर** और **बंगाल की खाड़ी** में जाने से बचने की सलाह दी है।

- छोटे जहाज़ों और अन्वेषण एवं उत्पादन संचालकों को **मौसम की गतिविधियों पर नज़र** रखने तथा आवश्यक सावधानियाँ बरतने को कहा गया है।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे जलभराव **वाले स्थानों पर जाने से बचें** तथा यात्रा करने से पहले यातायात अलर्ट की जाँच कर लें।
- प्रभावित क्षेत्रों के कृषकों को **अपने खेतों में उचित** जल निकासी **की व्यवस्था** करनी चाहिये और अपनी फसलों को समर्थन प्रदान करना चाहिये।
  - प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ के कारण भूस्खलन **और** बागवानी फसलों **को नुकसान** होने का **खतरा** है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग

- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की स्थापना **वर्ष 1875** में हुई थी। यह **देश की राष्ट्रीय मौसम विज्ञान सेवा है** और **मौसम विज्ञान एवं संबद्ध विषयों से संबंधित** सभी मामलों में प्रमुख सरकारी एजेंसी है।
- यह भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक एजेंसी** के रूप में कार्य करता है।
- इसका मुख्यालय **नई दिल्ली** में है।
- IMD विश्व मौसम विज्ञान संगठन के **छह क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम विज्ञान केंद्रों** में से एक है।

मध्य प्रदेश में देवी-देवताओं से जुड़े स्थानों का विकास किया जाएगा

चर्चा में क्यों?

जन्माष्टमी **के अवसर पर** मध्य प्रदेश सरकार ने दो पूज्य देवताओं भगवान राम **और कृष्ण से जुड़े स्थानों को विकसित** करने का निर्णय लिया है।

मुख्य बिंदु

मध्य प्रदेश का इतिहास गौरवशाली है, क्योंकि **भगवान राम ने 11 वर्ष राज्य में व्यतीत किये थे,** जबकि **भगवान कृष्ण ने उज्जैन के आचार्य संदीपनी आश्रम में शिक्षा प्राप्त की थी।**

जन्माष्टमी

- जन्माष्टमी, जिसे **गोकुलाष्टमी या श्रीकृष्ण जयंती** भी कहा जाता है, भगवान कृष्ण, **विष्णु के आठवें अवतार** के जन्म का जश्न मनाने वाला एक प्रमुख हिंदू त्योहार है।
- यह **चंद्र-सौर हिंदू कैलेंडर के भाद्रपद मास** में **कृष्ण पक्ष की अष्टमी (आठवें दिन)** को मनाया जाता है, आमतौर पर **अगस्त या सितंबर** में।
- जन्माष्टमी का एक मुख्य आकर्षण **"दही हांडी" कार्यक्रम** है।

आचार्य सांदीपनि आश्रम

- प्राचीन उज्जैन, अपने राजनीतिक और धार्मिक महत्त्व के अलावा, महाभारत काल **की शुरुआत में शिक्षा का एक प्रतिष्ठित केंद्र था।**
- **भगवान कृष्ण और सुदामा ने गुरु सांदीपनि के आश्रम** में नियमित **शिक्षा** प्राप्त की थी।
  - आश्रम के निकट का क्षेत्र अंकपाट के नाम से जाना जाता है, ऐसा माना जाता है कि भगवान कृष्ण ने अपनी लिखी हुई चीज़ों को धोने के लिये इस स्थान का उपयोग किया था।
- ऐसा माना जाता है कि पत्थर पर अंकित 1 से 100 तक की संख्याएँ गुरु सांदीपनि द्वारा उत्कीर्ण की गई थीं।
- पुराणों में वर्णित **गोमती कुंड** प्राचीन काल में आश्रम में जल आपूर्ति का स्रोत था।
- वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी इस स्थान को वल्लभाचार्य की 84 पीठों में से 73वीं पीठ मानते हैं, जहाँ उन्होंने पूरे भारत में अपने प्रवचन दिये थे।

कुनो राष्ट्रीय उद्यान में एक और चीते की मृत्यु

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश के वन अधिकारियों के अनुसार, कुनो राष्ट्रीय उद्यान में **एक और** चीते **की मृत्यु** हो गई है। **मृत्यु का प्रारंभिक कारण डूबना** लग रहा है।

मुख्य बिंदु

- यह **दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से भारत में स्थानांतरित किये गए** 20 चीतों में से **आठवें चीते की मृत्यु है।**
- अधिकांश **चीते** फिलहाल **विशेष बाड़ों** में हैं और **आशा है कि** मानसून का मौसम समाप्त होने के बाद उन्हें **अक्तूबर से वन में छोड़ दिया जाएगा।**
  - बताया जा रहा है कि सभी **जानवरों पर** रेडियो कॉलर के ज़रिये **निगरानी रखी जा रही है** और उनकी गतिविधियों पर भी नज़र रखी जा रही है।

कुनो राष्ट्रीय उद्यान

- **मध्य प्रदेश के श्योपुर ज़िले में स्थित** कुनो राष्ट्रीय उद्यान **नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से स्थानांतरित किये गए कई चीतों का पर्यावास** है।
- भारत में **प्रोजेक्ट चीता** औपचारिक रूप से **17 सितंबर, 2022 को शुरू हुआ,** जिसका उद्देश्य चीतों की संख्या को बहाल करना है, जिन्हें **वर्ष 1952 में देश में विलुप्त** घोषित कर दिया गया था।

रेडियो कॉलर

- रेडियो कॉलर का उपयोग **जंगली जानवरों पर नज़र रखने और निगरानी रखने** के लिये किया जाता है।
- इनमें एक कॉलर और **एक छोटा रेडियो ट्रांसमीटर** लगा होता है।
- कॉलर **पशु व्यवहार, प्रवास और जनसंख्या गतिशीलता पर डेटा प्रदान** करते हैं।
  - अतिरिक्त जानकारी के लिये इन्हें GPS या एक्सेलेरोमीटर के साथ जोड़ा जा सकता है।
- कॉलर को **पशुओं के लिये हल्का (कम वज़न का) और आरामदायक** बनाया गया है।

मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री** ने **ग्वालियर में क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन** में इस बात पर ज़ोर दिया कि **औद्योगिक इकाइयों** की स्थापना राज्य को आर्थिक गतिविधि के केंद्र में बदलने की दिशा में एक **महत्त्वपूर्ण कदम है।**

मुख्य बिंदु

- **मुख्यमंत्री ने 1,586 करोड़ रुपए के कुल निवेश वाली 47 नई औद्योगिक इकाइयों का उद्घाटन और शिलान्यास किया।** इस पहल से राज्य में करीब 4,752 नौकरियाँ उत्पन्न होने की आशा है।
- **इस कार्यक्रम का विषय 'Heritage, History, and Industry अर्थात् विरासत, इतिहास और उद्योग' था,** जिसमें **मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत** तथा इसकी आधुनिक औद्योगिक महत्त्वाकांक्षाओं के बीच समन्वय को रेखांकित किया गया।
- **ग्वालियर-चंबल क्षेत्र** में आठ ज़िला स्तरीय उद्योग सुविधा केंद्रों की घोषणा की गई।
  - ग्वालियर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, शिवपुरी, दतिया, गुना और अशोकनगर में इन केंद्रों का उद्देश्य आवश्यक प्रशासनिक सहायता तथा संसाधन उपलब्ध कराकर **उद्योगों की स्थापना एवं विकास को सुचारु** बनाना है।
- मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME)** क्षेत्र की विकास संभावनाओं को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।
- **क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन** में **मैक्सिको और जाम्बिया के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों** ने भाग लिया, जो एक निवेश गंतव्य के रूप में मध्य प्रदेश की बढ़ती वैश्विक अपील को दर्शाता है।
  - कनेक्टिविटी बढ़ाने और औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक बड़ी घोषणा में अगले कुछ महीनों में मध्य प्रदेश में आठ नए हवाई अड्डों का निर्माण पूर्ण हो जाएगा, जिससे राज्य में नए हवाई अड्डों की कुल संख्या 11 हो जाएगी।
- अधिकारियों का कहना है कि **फरवरी 2025 में भोपाल में आयोजित होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट** की तैयारियाँ प्रगति पर हैं।

✦ ✦ ✦ ✦

नोट :